

भारत में जुए को लेकर बढ़ती स्वीकार्यता

चर्चा में क्यों ?

- भारत में जुए की स्वीकार्यता तेज़ी से बढ़ रही है। देश का एक बड़ा तबका सट्टेबाजी और जुए को वैध बनाने की वकालत करता नज़र आ रहा है। वदिति हो का सुप्रीम कोर्ट ने पछिले साल भारतीय क्रिकेट बोर्ड बनाम क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बिहार के मामले में लॉ कमीशन से कहा था कविह अध्ययन करे कक्या सट्टेबाजी को भारत में कानूनी मंजूरी मलनी चाहयि ?
- अब सरकार जुआ एवं सट्टा को कानूनी मान्यता देकर उसे टैक्स में दायरे में लाने पर वचिार कर रही है। इसके लयि हाल ही में आम नागरकियों से सलाह मांगी गई थी। लॉ कमीशन ने लोगों से राय मांगी थी कक्या भारत में सट्टेबाजी और जुए को कानून के दायरे में लाया जाए?

पक्ष में तर्क

- भारत में खेल और सट्टा एक सक्िके के दो पहलू हैं। दोनों का बड़ा बाज़ार है। सट्टे और जुए को कानूनी मान्यता मलने से लाखों की तादाद में रोज़गार के नए मौके पैदा होंगे, सुनयिोजति अपराध कम होंगे, सरकारी खज़ाने के राजस्व और सकल घरेलू उत्पाद में इज़ाफा होगा और मनी लॉन्डरगि पर शकिकंजा कसेगा।
- कानूनी मान्यता न होने से बहुत से खेलों में सट्टा, जुआ और मटका खेल के ज़रयि काला धन लगाया जाता है, जो समाज को सीधे तौर पर न केवल अपराध की काली दुनयिा से जोड़ता है, बलक़ सरकार को चूना भी लगाता है।
- भारत में सट्टे को कानूनी मान्यता देना, राज्य सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है। देश में कई राज्यों में सट्टे या जुए को कानूनी मान्यता मली हुई है। जैसे गोवा, सक्िकमि और अन्य पूरवोत्तर राज्य।
- जुए के परंपरागत तरीकों को छोड़ दें तो अब कैसीनो, ऑनलाइन लॉटरी, ऑनलाइन रमी, घुड़दौड़ आदि में लोग पैसा लगाते हैं। यद्यपि भारत में कैसीनो को सरिफ गोवा में मान्यता मली हुई है।

वपिक्ष में तर्क

- वर्तमान में जुआ और सट्टेबाजी से कारण कई घर नीलाम हो रहे हैं और कई लोग जेल में हैं। ऑनलाइन जुआ खेलना और सट्टेबाजी एक ऐसा क्षेत्र है, जसिसे छुटकारा पाना आसान नहीं है।
- दरअसल, ऐसा माना जाता है कगैर-कानूनी जुआ कारोबार में अवैध तरीके से कमाया हुआ धन लगाया जाता है, जसिसे लगभग एक समानांतर अर्थव्यवस्था (parallel economy) का सृजन हो रहा है, जसिमें वैध तरीके से पूरापूत की गई आय को काले धन में बदला जा रहा है।
- जुआ और सट्टेबाजी का एक-दूसरे से नकिकट संबंध है। जुआ और सट्टेबाजी के वरिद्ध बनाए गए सख़्त नयिम भी मुशकलि से ही ऐसी गुप्त गतविधियों से बचाव करेंगे।
- सट्टेबाजी के कारण मैच फकिसगि जैसी घटनाएँ सामने आती हैं और कई खलिाड़यियों का कैरयिर शुरु होने से पहले ही खत्म हो जाता है।

क्या है 'जुआ' ?

- जुआ खेलने से तात्पर्य कसिी अवसर पर कसिी व्यक्ती (जसि हतिधारक कहा जाता है) द्वारा धन और कीमती सामान की बाजी लगाने से है, जसिमें व्यक्ती पहले से ही यह अपेक्षा रखता है कविह धन या कीमती सामान को जीत लेगा।
- उल्लेखनीय है कजुए को एक पुराने कानून 'सार्वजानकि जुआ अधनियिम, 1867' के अंतर्गत परभाषति कयिा गया है।
- यद्यपि संवधिान में सभी राज्यों को उनके स्वयं के जुआ कानून को लागू करने की शक़ति पूरदान की गई है, लेकनि वभिन्निन राज्यों के कानूनों में कोई समरूपता नहीं होती है।